दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Daman-Diu & Dadra and Nagar Haveli- Since 2005

■ वर्ष: 20, अंक: 48 ■ दमण, सोमवार 11 नवंबर 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे को लेकर प्रशासक प्रफुल पटेल ने दादरा नगर हवेली और दमण में विभिन्न परियोजनाओं का लिया जायजा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा/दमण 10 नवंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 13 नवंबर को दौरा होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने दादरा नगर हवेली और दमण जिले में विभिन्न परियोजनाओं का जायजा लिया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने शनिवार को दादरा नगर हवेली में नरोली स्कूल, नरोली पंचायत, अथाल गेम जोन और झंडा चौक स्कूल का निरीक्षण किया और ठेकेदारों को गुणवत्तापूर्ण कार्य और समय पर परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इसी के तहत प्रशासक प्रफुल पटेल ने आज दमण जिले के विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासक ने जम्पोर एवियरी, इंजीनियरिंग कालेज, नमोपथ का जायजा लिया।

दीव समाहर्तालय में मनाया गया उत्तराखंड का स्थापना दिवस

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 10 नवंबर। 9 नवंबर को उत्तराखंड स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस अवसर पर दीव जिला प्रशासन द्वारा दीव में रहने वाले उत्तराखंड के मूल निवासियों को ससम्मान आमंत्रित किया गया। दीव कलेक्टर राहुल देव बूरा ने सभी उपस्थित लोगों का पुष्पगुच्छों से स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान दीव कलेक्टर राहुल देव बूरा ने उपस्थित लोगों में समुदाय और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देते हुए उत्तराखंड की समृद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में दीव में रोजगार के अवसरों पर भी चर्चा की गई, जहां यह देखा गया कि कई प्रतिभागी आतिथ्य उद्योग में, मुख्य रूप से कूकिंग संबंधी कार्य करते हैं। कुछ लोग 20 से अधिक वर्षों से दीव की रसोई में अपने कौशल का योगदान दे रहे हैं, मुख्य रसोइये, रसोइये और रसोई सहायक के रूप में सेवा कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि इतने सारे लोग खाना पकाने में अपना करियर क्यों बना रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि उनकी विशेषज्ञता औपचारिक पाककला प्रशिक्षण के बजाय व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से बढ़ी है। अपने काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट है, क्योंकि वे अपने गृहनगर जाने के लिए बहुत कम छुट्टी लेते हैं, जो उनके पेशे के प्रति उनके समर्पण और निष्ठा को दर्शाता है। अंत में, दीव कलेक्टर राहुल देव बूरा ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और स्थापना दिवस समारोह में भाग लेने वाले सभी लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं, उन्हें जुड़े रहने और प्रशासन द्वारा प्रदान की जा सकने वाली किसी भी सहायता के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया।

दीव के वणाकबारा श्री वाडी विस्तार बोट एसोसिएशन की हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 10 नवंबर। दीव के वणाकबारा श्री वाडी विस्तार बोट एसोसिएशन द्वारा एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें गुजरात के मछुआरों के लिए विशेष रूप से काम करने वाले अहमदाबाद के संगठन सिटी संस्था फॉर सोशल नॉलेज के विशेषज्ञ उपस्थित थे। दीव का मुख्य व्यवसाय मच्छीमारी है। मछुआरों की योजनाओं और मुद्दों की चर्चा के लिए आज दीव के वणाकबारा शिव सदन में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मछुआरों के लिए अनेक योजनाओं तथा मछुआरों की छोटी-बड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई।साथ ही कोस्टल रेग्युलेशन जोन, कोस्टल मैनेजमेंट प्लान, सरकार के कानून स्थानीय भाषा में बनाने की मांग, पाकिस्तान की जेलों में बंद मछुआरों को छुड़ाने, युवा नेतृत्व और महिलाओं को सीआरजेड प्लान के लिए संगठित और जागृत होकर मांग करें जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

यूटी लेवल सिलेक्शन के लिए दीव के बच्चे सिलवासा रवाना हुए

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 10 नवंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा संघ प्रदेश के क्रीडा संस्कृति विकास हेतु प्रशासक प्रफुल पटेल के दिशानिर्देश में युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के सचिव डॉक्टर अरुण टी. और खेल विभाग के निदेशक अरुण गुप्ता के सहयोग एवं दीव जिला समाहर्ता राहुल देव बूरा और उपसमाहर्ता शिवम मिश्रा तथा हेड ऑफ स्पोर्ट्स गजवानी के मार्गदर्शन में दीव जिला की व-17 boys & girls football, Athletics और व-17 & 19 boys & Girls Swimming की टीम यूटी लेवल सिलेक्शन के लिए सिलवासा रवाना हुए। दीव की इस टीम के साथ शारीरिक शिक्षा शिक्षक वैभव सिंह, फिजिकल इंस्ट्रक्टर अशोक बारीया और फिजिकल इंस्ट्रक्टर प्रियंका सोलंकी साथ में गये हुए है। इस मौके पर दीव जिला इंचार्ज असिस्टेंट फिजिकल एजुकेशन ऑफीसर नानजी जेठवा ने उपस्थित रहकर सभी बच्चों को बस से बिदा किया और बताया कि पिछले साल की तुलना में इस साल बच्चे अच्छा प्रदर्शन कर दीव का नाम रोशन करेंगे ऐसी स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट दीव की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

आज शपथ लेंगे नए सीजेआई संजीव खन्ना

■ सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के रिटायरमेंट के बाद बने चीफ जस्टिस

नई दिल्ली(ईएमएस)। जस्टिस संजीव खन्ना सोमवार को सीजेआई की शपथ लेंगे। संजीव खन्ना की विरासत वकालत की रही है। उनके पिता देवराज खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे हैं। वहीं चाचा हंसराज खन्ना सुप्रीम कोर्ट के मशहूर जज थे। संजीव खन्ना अपने चाचा से प्रभावित थे, इसलिए उन्होंने 1983 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की। इसके बाद जस्टिस खन्ना ने दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट से वकालत शुरू की। फिर दिल्ली सरकार के इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और दीवानी मामलों के लिए स्टैंडिंग काउंसल भी रहे। स्टैंडिंग काउंसल का आम भाषा में अर्थ सरकारी वकील होता है। साल 2005 में जस्टिस खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट के जज बने। 13 साल तक दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहने के बाद 2019 में जस्टिस खन्ना का प्रमोशन सुप्रीम कोर्ट के जज के बतौर हो गया। संजीव खन्ना का हाईकोर्ट जज से प्रमोट होकर सुप्रीम कोर्ट का जज बनना भी विवादों में रहा था। 2019 में जब सीजेआई रंजन गोगोई ने उनके नाम की सिफारिश की, तब जजों की सीनियॉरिटी रैंकिंग में खन्ना 33वें स्थान पर थे। गोगोई ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट के लिए ज्यादा काबिल बताते हुए प्रमोट किया।

25 लाख नौकरियां, किसान कर्ज माफी और महिलाओं को 2100 प्रतिमाह

■ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी किया संकल्प पत्र ■ शाह बोले- महाराष्ट्र की जनता के हर सपने को समर्पित है संकल्प पत्र

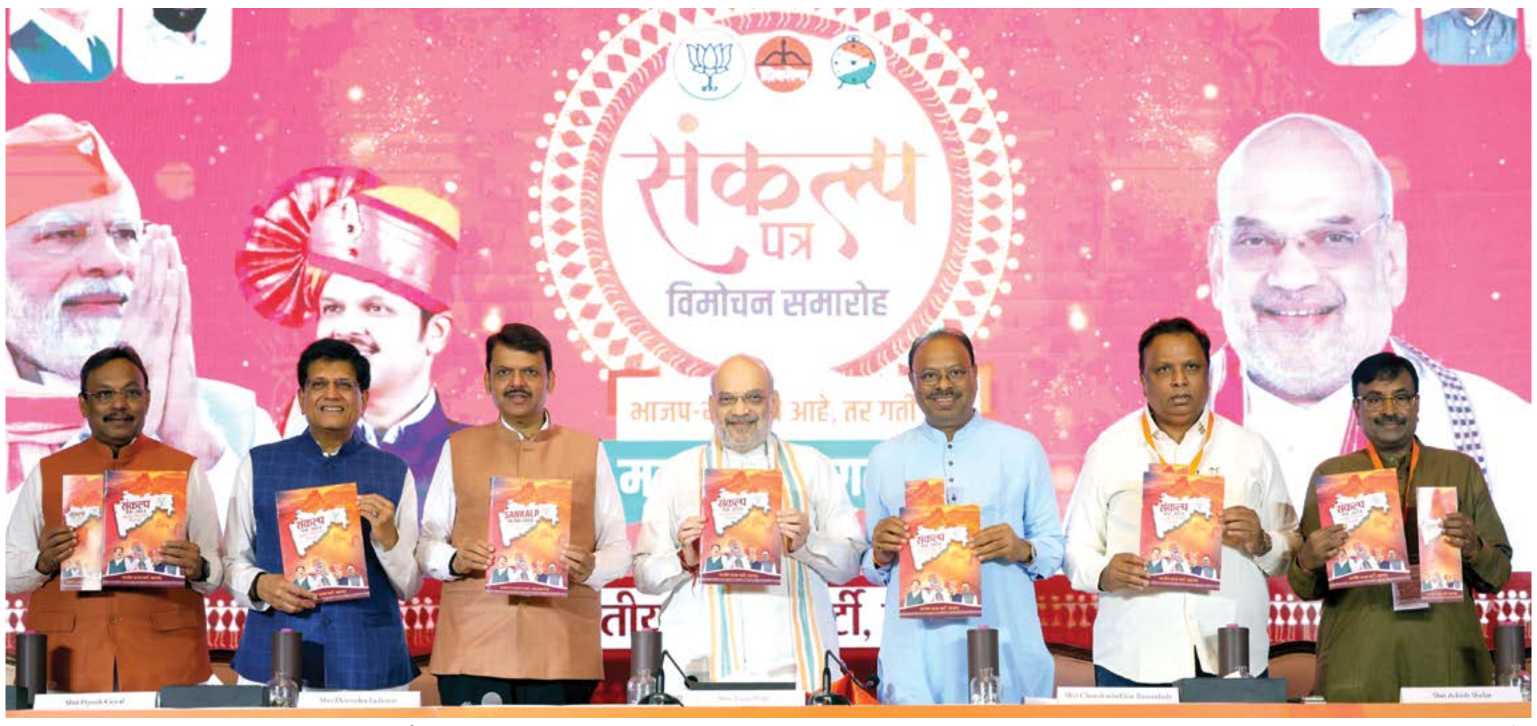

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने संकल्प पत्र रविवार को जारी कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सार्वजनिक रुप से जारी किया, जबकि राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के वादों को जनता के सामने रखा। बीजेपी ने आगामी चुनावों के लिए संकल्प पत्र में कई प्रमुख वादे किए हैं, जिनमें किसानों की कर्ज माफी, 25 लाख नौकरियां पैदा करना, महिलाओं को 2100 रुपए प्रति माह देने का वादा और महाराष्ट्र के पूर्ण विकास की योजना शामिल है। बीजेपी ने संकल्प पत्र में किसानों के लिए कर्ज माफी का वादा किया है। इसके तहत महाराष्ट्र के किसानों को राहत देने के लिए सरकारी स्तर पर कई कदम उठाए जाएंगे। राज्य में बेरोजगारी को ध्यान में रखते हुए 25 लाख नई नौकरियां देने का संकल्प बीजेपी ने लिया है। वहीं बीजेपी ने महिलाओं के कल्याण के लिए एक खास वादा किया है, जिसमें हर महिला को 2100 रुपए प्रति माह देने की योजना है। संकल्प पत्र में वादा किया गया है कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए भावांतर योजना को लागू किया जाएगा, जिससे उन्हें फसल की सही कीमत मिल सकेगी। महाराष्ट्र के युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करने का वादा किया गया है, जिससे उन्हें रोजगार के लिए जरूरी कौशल मिल सके। संकल्प जारी करते हुए अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र ने देश के हर क्षेत्र में नेतृत्व किया है। भक्ति आंदोलन, समाजिक क्रांति और गुलामी से मुक्ति का आंदोलन भी यहीं से शुरू हुआ। आज के संकल्प पत्र में महाराष्ट्र की जनता के हर सपने को समर्पित किया गया है। हम किसानों का सम्मान, गरीबों का कल्याण, महिलाओं का स्वाभिमान बढ़ाने और राज्य की विरासत का पुनरोत्थान करने का संकल्प लेते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में भारत के संविधान के तहत मुख्यमंत्री ने शपथ ली है, और 370 की धारा हटने के बाद यह चुनाव हो रहे हैं, जो देश के लिए गर्व की बात है। शाह ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस क्या कभी वीर सावरकर का नाम लेगी? क्या वे बाला साहेब ठाकरे की तारीफ करेंगे? राहुल गांधी वीर सावरकर के लिए दो अच्छे शब्द बोलकर दिखा दें। कांग्रेस के वादों की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है और उनके वादों की कोई साख नहीं है। तेलंगाना और हिमाचल इसके उदाहरण हैं। अमित शाह ने महाराष्ट्र की जनता से महायुति को तीसरी बार सत्ता में लाने की अपील की।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीजेपी सरकार राज्य के हर वर्ग के लिए काम करेगी और उसे सशक्त बनाएगी। इस संकल्प पत्र के साथ ही बीजेपी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपनी तैयारी पूरी कर ली है और अब चुनावी मैदान में है।

नवंबर माह शुरु फिर भी पहाड़ों पर बर्फबारी नहीं, मौसम में गर्माहट

■ पर्यटकों को भी बर्फबारी का इंतजार, उत्तर भारत के क्षेत्रों में प्रदूषण से हालात गंभीर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हर साल नवंबर की शुरुआत में हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी होने लगती थी, लेकिन इस साल स्थिति अलग नजर आ रही है। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम गर्म और सूखा बना हुआ है।

समुद्र तल से चार हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित शिव मंदिर, तुंगनाथ, जहां आमतौर पर इस समय तक बर्फ की मोटी परत दिखाई देती है, वहां बर्फ नहीं जम पाई है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, और यमुनोत्री धाम भी बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं। इन इलाकों में दिन में तापमान सामान्य से ज्यादा होने से पर्यटकों को ठंड की बजाय हल्की गर्मी का अहसास हो रहा है।

देहरादून के मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक के मुताबिक इस साल मानसून के बाद पर्वतीय क्षेत्रों में सामान्य से 90फीसदी तक कम बारिश हुई है, जिससे तापमान में पर्याप्त गिरावट नहीं हो पाई है। सामान्यतः मानसून के बाद होने वाली बारिश से तापमान में गिरावट आती है और ठंड बढ़ती है, लेकिन इस बार अपेक्षाकृत सूखा मौसम रहा, जिससे पहाड़ों पर भी ठंड कम महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण इन क्षेत्रों का तापमान 2-3 डिग्री ज्यादा है, जिससे दिन में हल्की गर्मी हो रही है।

सामान्यतः हिमालयी क्षेत्र में नवंबर में बर्फबारी होने लगती थी, जो पहाड़ों की शीत ऋतु की शुरुआत का संकेत होती थी। हालांकि, इस बार पश्चिमी विक्षोभ में देरी और मानसून के बाद कम बारिश होने से बर्फबारी में रुकावट आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होता है तो नवंबर के बीच में बर्फबारी की शुरुआत हो सकती है, जिससे ठंड बढ़ेगी। वहीं दूसरी ओर, उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में प्रदूषण ने हालात गंभीर बना दिए हैं। दिल्ली, गाजियाबाद, सोनीपत, आगरा और आसपास के शहरों में हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आई है। सुबह-सुबह धुंध और कोहरे के साथ मिलकर इन शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 300 के पार रिकॉर्ड किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही खतरनाक है।

विशेषज्ञों के मुताबिक मैदानी क्षेत्रों में तापमान में गिरावट नहीं होने के कारण और प्रदूषण के कारण वायुमंडल में ठहरी हुई धुंध कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं। पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति बनी रही तो आगे सर्दियों में स्मॉग की समस्या और गंभीर हो सकती है। उत्तर भारत में पराली जलाने, वाहनों के धुएं, और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषण के चलते सर्दियों के आगमन पर धुंध और स्मॉग का असर और बढ़ सकता है।

बर्फबारी की कमी का असर उत्तराखंड के पर्यटन उद्योग पर भी पड़ने की उम्मीद है। हर साल नवंबर के महीने में चार धाम और हिमालयी क्षेत्र बर्फबारी देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। बर्फबारी की कमी और अपेक्षाकृत गर्म मौसम के कारण, स्थानीय व्यवसायों और पर्यटन उद्योग को संभावित नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी होने से जलधारा भी इन क्षेत्रों के पर्यावरण के लिए जरुरी होती है, जिससे नदियों का प्रवाह बढ़ता है और जल स्त्रोतों को नई ऊर्जा मिलती है।

मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि पश्चिमी विक्षोभ जल्द सक्रिय होकर उत्तराखंड में बर्फबारी का दौर शुरू कर सकता है। आने वाले हफ्तों में ठंड बढ़ेगी और प्रदूषण की स्थिति सुधरने की संभावना है लेकिन इस समय तक मौसम में बदलाव का इंतजार करना ही एकमात्र विकल्प है।

लीली परिक्रमा के लिए जीएसआरटीसी का राजकोट डिवीजन अतिरिक्त बसें चलाएगा

राजकोट (ईएमएस)। लाखों श्रद्धालुओं के आस्था का केन्द्र जूनागढ़ के गिरनार की लीली परिक्रमा के दौरान गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) ने अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है। गिरनार की तलहटी में देवउठनी एकादशी से लीली परिक्रमा का प्रारंभ होगा और उसके लिए पुलिस-प्रशासन से सारे इंतजाम कर लिए हैं।

लीली परिक्रमा में केवल गुजरात ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या श्रद्धालु आते हैं। लीली परिक्रमा के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों के यातायात को पूरा करने और लोगों को आसान परिवहन प्रदान करने के लिए जीएसआरटीसी के राजकोट विभाग ने विशेष आयोजन किया है। राजकोट से जूनागढ़ तक करीब 50 अतिरिक्त बड़ी बसें सीधे चलाई जाएंगी ताकि लोगों को खड़ा न होना पड़े। राजकोट और जूनागढ़ के बीच 5 दिनों तक ये अतिरिक्त बस चलेगी। राजकोट के अलावा अहमदाबाद और कच्छ से भी कई लोग परिक्रमा के लिए आते हैं, वे इस बस के जरिए राजकोट से जूनागढ़ परिक्रमा के लिए जा सकेंगे। गिरनार परिक्रमा का महत्व सौराष्ट्र और गुजरात के श्रद्धालुओं के लिए विशेष है। हर साल गुजरात के कई जिलों और दूर-दूर से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री गिरनार आते हैं। इन तीर्थयात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने से यातायात का बोझ बढ़ता है और लोगों के लिए परिवहन की समस्याएं पैदा होती हैं। गिरनार पहाड़ी तक पहुँचने के लिए श्रद्धालु अधिकतर बसों का उपयोग करते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए जीएसआरटीसी के राजकोट विभाग ने यातायात व्यवस्था में सुधार और तीर्थयात्रियों के लिए गिरनार तक पहुंच को आसान बनाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं।

राजकोट-जूनागढ़ के बीच 50 अतिरिक्त बसें शुरू करने की योजना से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। ये अतिरिक्त बसें 5 दिनों तक दिन-रात संचालित होंगी, जिससे गिरनार परिक्रमा के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों को समय पर और आराम से वहां पहुंचना आसान हो जाएगा। इस तरह तीर्थयात्रियों को खड़े होकर इंतजार नहीं करना पड़ेगा और वे सुविधापूर्वक अपनी यात्रा पर आगे बढ़ सकेंगे। इसके साथ ही अहमदाबाद और कच्छ से भी कई श्रद्धालु गिरनार परिक्रमा करने आते हैं, उन्हें भी अब राजकोट से जूनागढ़ तक इलेक्ट्रिक बस और 2X2 एसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बस सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। जिससे हर यात्री को आसान और आरामदायक परिवहन सुविधा मिलेगी। जो गुजरात की उत्कट आस्था का अहम हिस्सा होगा।

दूरदराज के इलाकों में देवदूत के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं मोबाइल अस्पताल

अहमदाबाद (ईएमएस)। किसी भी देश या राज्य के विकास में उसके नागरिकों की आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक स्वस्थ एवं स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज-राज्य एवं राष्ट्र के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे सकता है। राज्य के नागरिकों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए गुजरात में 128 मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयां कार्य कर रही हैं। जिसमें 45 मोबाइल हेल्थ यूनिट (एमएचयू), 30 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) और 53 मोबाइल हेल्थ यूनिट (एएसवी एमएयू) हैं। इनमें से सबसे ज्यादा कच्छ जिले में 14, वलसाड में 11 और बनासकांठा में 09 मोबाइल हेल्थ यूनिट काम कर रही हैं।

पिछले एक वर्ष में मोबाइल हेल्थ यूनिट के माध्यम से 23.60 लाख से अधिक नागरिकों को 38,099 ऑन-रूट सेवाएँ प्रदान की गईं। जिसमें 15,983 रूटों पर मोबाइल हेल्थ यूनिट द्वारा 1,24,4540 मरीजों का इलाज किया गया। 13,097 रूटों पर मोबाइल हेल्थ यूनिट द्वारा 3,90,712 मरीजों का इलाज किया गया और 9,019 रूटों पर मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा 7,25,025 नागरिकों का इलाज किया गया।

मोबाइल स्वास्थ्य इकाई एमएचयू, एमएमयू और एएसवी एमएयू इकाई छोटे बच्चों का उपचार, बीमारी की रोकथाम के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, आंगनवाड़ी-स्कूली बच्चों की जांच और उपचार, व्यक्तिगत स्वच्छता, किशोर स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा तंबाकू रोग, एचआईवी/एड्स आदि बीमारियों पर मार्गदर्शन प्रदान करती है। जिसके तहत पिछले एक वर्ष में मोबाइल हेल्थ यूनिट द्वारा 11,359 प्रसवपूर्व देखभाल सेवाएं प्रदान की गई हैं। जबकि 1.25 लाख से अधिक युवाओं, 59,064 आंगनवाड़ी बच्चों की जांच, 1,055 उच्च जोखिम वाली माताओं और 350 आपातकालीन सेवाओं सहित कुल 1,96,904 नागरिकों का मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से इलाज किया गया है।

काम को लेकर डांटने पर बेटे ने पिता को मौत के घाट उतार दिया

तापी (ईएमएस)। जिले के सुंदरपुर गांव में एक बेटे ने अपने निद्राधीन पिता पर लोहे की रॉड से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। प्राथमिक जांच में पता चला कि वृद्धि पिता ने धान की कटाई में शामिल होने को अपने छोटे बेटे से कहा था। लेकिन बेटे ने शादी की बात कर दी, जिसे लेकर पिता-पुत्र के बीच झगड़ा हुआ और उसके बाद दो दिन पहले बेटे ने वृद्ध पिता की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक जिले की उच्छल तहसील के सुंदरपुर गांव में 73 वर्षीय शिवाजी गोसनभाई वसावा अपने परिवार के साथ रहते थे। दो महीने पहले शिवाजी की पत्नी की मौत हो गई थी। जिससे शिवाजी अपनी संतानों के साथ रहते थे। शिवाजी के खेत में धान की फसल तैयार होने पर उसकी कटाई परिवार द्वारा शुरू कर दी गई थी। शिवाजी ने अपने छोटे बेटे हरपाल वसावा को धान की कटाई में काम करने के लिए कहा तो बेटे ने अपने पिता से शादी की बात छेड़ दी। जिसे लेकर पिता और पुत्र के बीच झगड़ा शुरू हो गया। शिवाजी गत 07 नवंबर 2024 की रात्रि में अपने घर की अटारी में खाट पर सो रहे थे। उस वक्त बेटे ने पिता के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर गंभीर चोट पहुंचायी और लहूलुहान कर दिया। पिता पर हमला करने के बाद बेटा मौके से फरार हो गया। गंभीर हालत में शिवाजी वसावा को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक शिवाजी वसावा की बेटी मोगरा वसावा की शिकायत पर उच्छल पुलिस ने हरपाल वसावा के खिलाफ हत्या का केस किया और आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

सीआरपीएफ जवान ने फिरौती के लिए बच्चे की हत्या की

भरूच(ईएमएस)। गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर शहर में अपने पड़ोस से आठ वर्षीय एक बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या करने के आरोप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कांस्टेबल ने अपने पड़ोसी के 8 वर्षीय बेटे का किडनैप कर उसके पिता से 5 लाख की फिरौती मांगी और फिर लडक़े की हत्या कर दी थी।

पुलिस ने बताया कि शैलेंद्र राजपूत मध्य प्रदेश के ग्वालियर तैनात था। उसे शेयर बाजार की लत लग गई थी। उसे घाटा होता गया और वह कर्ज लेकर शेयर मार्केट में रुपये लगाता रहा। कर्जदारों ने उसके ऊपर रकम देने का दबाव बनाया तो वह परेशान हो गया। आखिरकार उसके कर्ज चुकाने के लिए बच्चे का अपहरण कर फिरौती का प्लान बनाया।

राजस्थान में इको-फ्रेंडली होगा उपचुनाव मतदान, प्लास्टिक का नहीं होगा इस्तेमाल

■ राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की विशेष कार्ययोजना तैयार

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान में 13 नवंबर को होने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल यानी इको-फ्रेंडली बनाया जाएगा। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इसके लिए एक विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसके तहत मतदान केन्द्रों पर कई गतिविधियां पर्यावरणीय अनुकूलता के मापदंडों के अनुसार की जाएगी।

इस पहल के तहत चुनावी सामग्री की पैकेजिंग प्लास्टिक-मुक्त सामग्री से की जाएगी। मतदान दलों को दी जाने वाली सामग्री में प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा और खाने-पीने के सामान के लिए कागज के पैकेट, दोने-पत्तल और पेयजल के लिए मटके का पानी का इस्तेमाल किया जाएगा। चाय और पेय पदार्थों के लिए केतली और कुल्हड़ इस्तेमाल होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस बार वेबकास्ट प्रक्रिया का भी विस्तार किया जाएगा। मतदान प्रक्रिया की सीसीटीवी के साथ-साथ कक्ष के बाहर से भी लाइव कवरेज किया जाएगा ताकि मतदान की निष्पक्षता, पारदर्शिता और कानून-व्यवस्था पर निगरानी रखी जा सके। इस दौरान अलग से भी कैमरे लगाए जाएंगे और लाइव वीडियो कवरेज पर विशेष निगरानी के लिए टीवी स्क्रीन भी लगाए जाएंगे।

चुनाव के दौरान मतदान केन्द्रों को क्लीन एवं ग्रीन और तम्बाकू-मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा। कचरा प्रबंधन के तहत गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखे जाएंगे, और डाक मतपत्रों की गणना के लिए रियूजेबल ट्रे और कंटेनर का इस्तेमाल होगा। मतदान केन्द्रों पर प्लास्टिक-फ्री सेल्फी पॉइंट भी बनाए जाएंगे और विशेष मतदाताओं जिसमें बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्तियों से पौधरोपण भी करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह प्रयास सभी निर्वाचन प्रक्रियाओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के साथ ही मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी काम करेगा। निर्वाचन विभाग ने इस इको-फ्रेंडली पहल के लिए संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भी रिपोर्ट भेज दी है। आयोग ने इस नवाचार को अन्य राज्यों में भी लागू करने का सुझाव दिया है।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)